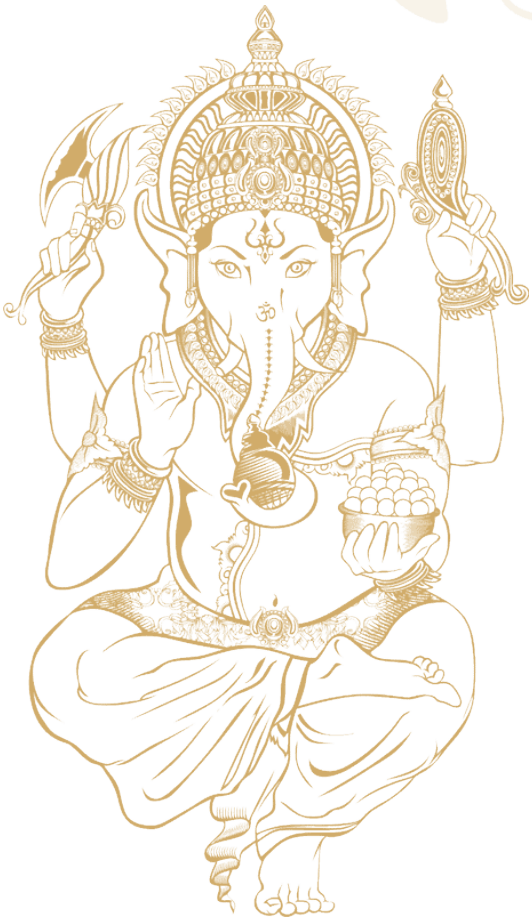

Manushree

30 Jan 2025

10:05 AM

Kanpur

Model: Varshphal-2017

Order No: 120174001

तिथि 30/01/2025 **समय** 10:05:00 **वार** गुरुवार **स्थान** Kanpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:12:28
अक्षांश 26:27:00 उत्तर **रेखांश** 80:19:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:08:44 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	18:34:57 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:13:17 घं	योनि	सिंह
सूर्योदय	06:54:38 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:49:46 घं	वर्ण	वैश्य
चैत्रादि संवत	2081	वश्य	जलचर
शक संवत	1946	वर्ग	मार्जार
मास	माघ	युँजा	अन्त्य
पक्ष	शुक्ल	हंसक	भूमि
तिथि	1	जन्म नामाक्षर	गा-गगन
नक्षत्र	धनिष्ठा	पाया(रा.-न.)	स्वर्ण-ताम्र
योग	व्यतिपात	होरा	शुक्र
करण	बव	चौघड़िया	उद्वेग

विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 1मा 16दि
मंगल
30/01/2025
18/03/2031

	30/01/2025
राहु	01/09/2025
गुरु	08/08/2026
शनि	17/09/2027
बुध	13/09/2028
केतु	09/02/2029
शुक्र	11/04/2030
सूर्य	17/08/2030
चन्द्र	18/03/2031

योगिनी
पिंगला 1वर्ष 9मा 0दि
पिंगला
30/01/2025
31/10/2026

	30/01/2025
धान्या	09/02/2025
भ्रामरी	02/05/2025
भद्रिका	11/08/2025
उल्का	11/12/2025
सिद्धा	02/05/2026
संकटा	11/10/2026
मंगला	31/10/2026

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			17:53:15	मीन	रेवती	1	बुध	बुध	---	0:00			
सूर्य			16:19:33	मक	श्रवण	2	चंद्र	शनि	शत्रु राशि	1.20	पुत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			24:59:41	मक	धनिष्ठा	1	मंगल	राहु	सम राशि	1.24	अमात्य	मातृ	जन्म
मंगल	व		26:48:29	मिथु	पुनर्वसु	3	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि	1.24	आत्मा	भ्रातृ	विपत
बुध		अ	09:10:34	मक	उत्तराषाढ़ा	4	सूर्य	शुक्र	सम राशि	1.06	ज्ञाति	ज्ञाति	मित्र
गुरु	व		17:07:02	वृष	रोहिणी	3	चंद्र	शनि	शत्रु राशि	1.17	मातृ	धन	अतिमित्र
शुक्र			01:46:33	मीन	पू०भाद्रपद	4	गुरु	राहु	उच्च राशि	1.50	कलत्र	कलत्र	विपत
शनि			23:01:14	कुंभ	पू०भाद्रपद	1	गुरु	शनि	स्वराशि	0.99	भ्रातृ	आयु	विपत
राहु	व		05:44:39	मीन	उ०भाद्रपद	1	शनि	बुध	सम राशि		---	ज्ञान	क्षेम
केतु	व		05:44:39	कन्या	उ०फाल्गुनी	3	सूर्य	बुध	शत्रु राशि		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

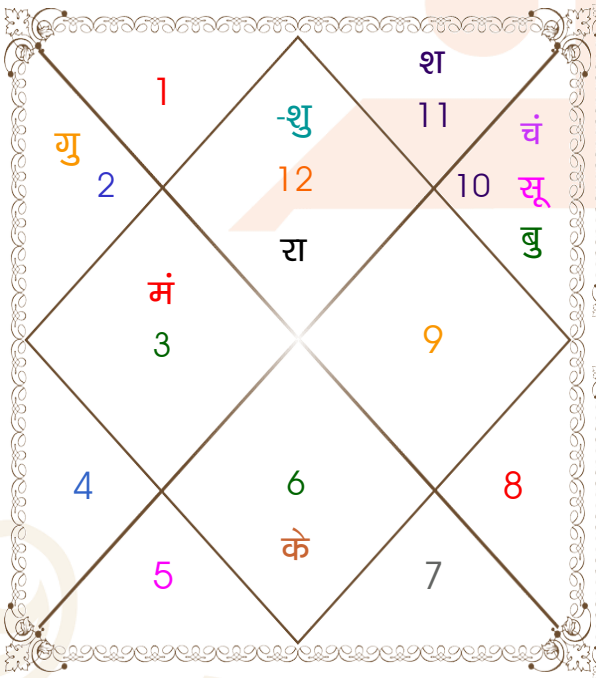

चन्द्र कुंडली

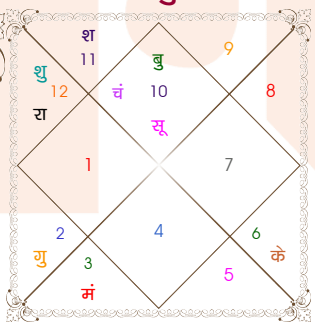

नवमांश कुंडली

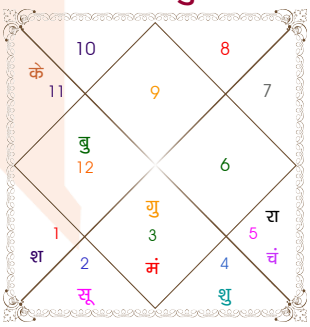

सर्वाष्टकवर्ग

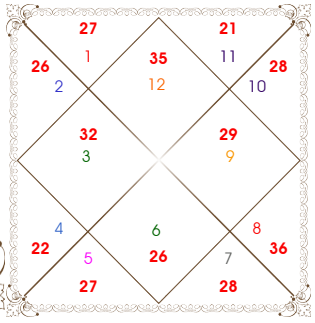

दशमांश कुंडली

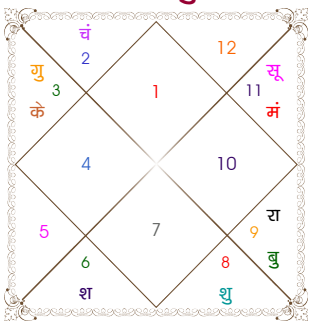

Astrologer Bhai Ji
7056200033
pandit00033@gmail.com

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक आपके समस्त शुभ एवं सांसारिक कार्य सम्पन्न होंगे। साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मानसिक स्थिति भी इस समय अच्छी रहेगी तथा मन में शान्ति एवं सन्तुष्टि बनी रहेगी। इस वर्ष में व्यक्तिगत सुख शान्ति तथा समृद्धि बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। संतति पक्ष से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में उन्नतिशील रहेंगे। साथ ही इस वर्ष में आपको पुत्र संतति की प्राप्ति भी हो सकती है। धर्म के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा धार्मिक कार्य कलापों को आप सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क एवं तीर्थयात्रा के भी योग बनेंगे। इस समय आपकी बुद्धि तीक्ष्ण रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धिमता से प्रभावित रहेंगे तथा आप पर पूर्ण विश्वास करेंगे। अतः आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश में अभिवृद्धि होगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी यह वर्ष उत्तम रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी इच्छित उन्नति एवं विस्तार होगा तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे। साथ ही राज्य या सरकार के द्वारा आपको कोई विशिष्ट सम्मान भी प्राप्त हो सकता है। नौकरी या राजनीति में भी इस समय आपको महत्वपूर्ण पद की प्राप्ति होगी तथा सभी लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। शत्रु या विरोधी पक्ष को इस समय आप पराजित करेंगे तथा नवीन आय स्रोतों में वृद्धि करके आर्थिक रूप से सुदृढ़ रहेंगे। साथ ही कोई विशष्ट लाभ भी हो सकता है। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्य शाली रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक आपका समय व्यतीत होगा।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे । साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा इनसे आपको पूर्ण सुख सहयोग एवं लाभ प्राप्त होगा । साथ ही आप भी उनके लिए कल्याणकारी कार्यो को करने के लिए तत्पर रहेंगे । इस समय आपके पराक्रम में भी वृद्धि होगी तथा लोग आपके पराक्रम तथा प्रभाव को स्वीकार करेंगे तथा सांसारिक सुख संसाधनों को अर्जित करने में भी सफल रहेंगे आनन्द पूर्वक इनका उपभोग करेंगे। आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी सुदृढ़ रहेंगी तथा आय स्रोतो में भी वृद्धि होगी जिससे ऐश्वर्य से आप युक्त रहेंगे।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति होगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ भी प्राप्त होगा साथ ही किसी नवीन कार्य का प्रारंभ या पूर्व व्यापार में ही विस्तार की भी प्रबल संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस वर्ष आप किसी महत्वपूर्ण पद को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं से आपको पूर्ण लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा । समाजिक मान प्रतिष्ठा तथा यश की भी इस समय अभिवृद्धि होगी तथा लोगों से आपको यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। अतः यह वर्ष आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप स्वस्थ रहेंगे तथा मन में भी प्रसन्ता का भाव विद्य मान रहेगा। कार्य क्षेत्र में इस समय आपकी उन्नति होगी तथा नौकरी या राजनीति में आपको किसी महत्वपूर्ण पद के प्राप्ति की संभावना बनेगी। व्यापारिक क्षेत्र में भी आप उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित होता रहेगा। साथ ही व्यापारिक क्षेत्र में विस्तार करने तथा अन्य नवीन कार्यों को प्रारम्भ करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस वर्ष में आपके शत्रु निर्बल रहेंगे अतः चुनाव मुकद्दमे,व्यापारिक क्षेत्र या प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता अर्जित होगी।

इस समय राजनैतिक महत्व के व्यक्तियों अथवा सरकारी उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथोचित मात्रा में लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी। साथ ही समाज में आपके प्रभाव एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। इस समय आपके समस्त रूके हुए कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्योदय संबधी कार्यो में भी वृद्धि होगी। साथ ही अन्य सांसारिक कार्यो में भी सफलता प्राप्त होगी एवं प्रसन्नता के समाचार भी मिलेंगे ।इसके अतिरिक्त इस वर्ष में आपको संतति प्राप्ति की भी संभावना रहेगी या उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही वाहन संबधी सुख की भी प्राप्ति हो सकती है। अतः आप अपने अधिकाशं समय को आनन्द पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङ्गोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह एवं पराक्रम से सम्पन्न होंगे तथा इनमें आपको समय समय पर वांछित सफलता भी प्राप्त होती रहेगी। इस समय भाइयों से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा उनके मध्य आपके सम्मान में वृद्धि होगी ।साथ ही आप उनकी सहायता के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस वर्ष में आपको सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी तथा मानसिक संकल्प भी पूर्ण होंगे । इस समय आप नवीन कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें आपको वांछित सफलता मिलेगी। साथ ही संतति पक्ष से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा तथा अपने अपने क्षेत्र में वे सफलता अर्जित करेंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए वर्ष शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय उच्चाधिकारी वर्ग तथा राजनैतिक व्यक्तियों से आपके सम्पर्क स्थापित होंगे तथा इनसे आपको वांछित लाभ एवं सहयोग भी प्राप्त होगा। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति के अवसर होंगे तथा व्यापारिक क्षेत्र में भी उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे । साथ ही किसी नवीन कार्य को भी आप प्रारम्भ कर सकते है । आर्थिक स्थिति भी इस वर्ष में आपकी अच्छी रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। अतः यह समय आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं भाग्योदय कारक रहेगा तथा प्रसन्नतापूर्वक आप अपना समय व्यतीत करेंगे।

प्रथम मास

30/01/2025 10:05:00 से 01/03/2025 02:46:59 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	रेवती	17:53:15
सूर्य		मकर	श्रवण	16:19:33
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	24:59:41
मंगल	व	मिथुन	पुनर्वसु	26:48:29
बुध		मकर	उत्तराषाढ़ा	09:10:34
गुरु	व	वृष	रोहिणी	17:07:02
शुक्र		मीन	पू०भाद्रपद	01:46:33
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:01:14
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:44:39
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	05:44:39
मुंथा		मीन	रेवती	17:53:15

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

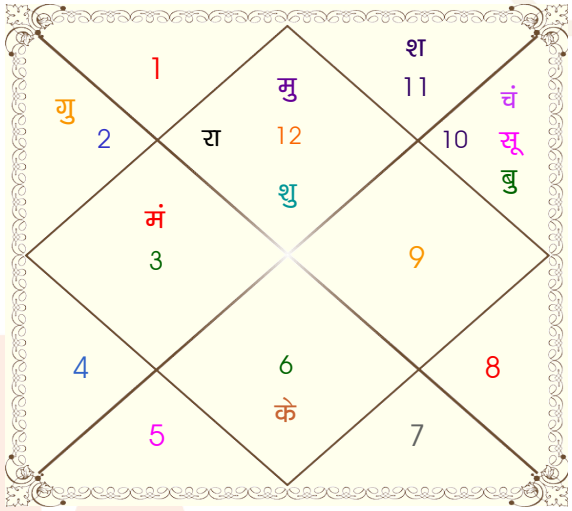

इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगे। इस समय आपके लाभमार्ग प्रशस्त होंगे तथा पराक्रम में भी वृद्धि होगी जिससे शत्रु वर्ग आपसे भयभीत रहेगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप सम्मान प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य स्रोतों से भी आपकी आय होती रहेगी जिससे आर्थिक रूप से पूर्ण रूपेण सुदृढ़ रहेंगे। इसके शुभ प्रभाव से आप समाज में पूर्ण मान तथा प्रतिष्ठा प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा भाग्य में भी उन्नति होगी एवं कोई विलम्ब हुआ शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य भी सम्पन्न हो सकेगा। इसके, अतिरिक्त सांसारिक कार्यो में सफलता प्राप्त होगी एवं सम्पूर्ण वातावरण प्रसन्नता से युक्त रहेगा।

साथ ही इस मास में न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इससे आप गर्मी से उत्पन्न रोगों द्वारा कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रुधिर सम्बधी विकार भी हो सकता है। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधानी रखनी चाहिए। साथ ही आग के द्वारा भी किसी प्रकार की हानि की सम्भावना हो सकती है। अतः सतर्क रहें।

द्वितीय मास

01/03/2025 02:46:59 से 31/03/2025 05:42:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	11:24:36
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	16:19:33
चन्द्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:02:38
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	22:56:48
बुध		मीन	पू०भाद्रपद	01:53:25
गुरु		वृष	रोहिणी	18:03:22
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	16:36:02
शनि		कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:27:58
राहु	व	मीन	उ०भाद्रपद	04:10:14
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	04:10:14
मुंथा		मीन	रेवती	20:23:15

मासाधिपति

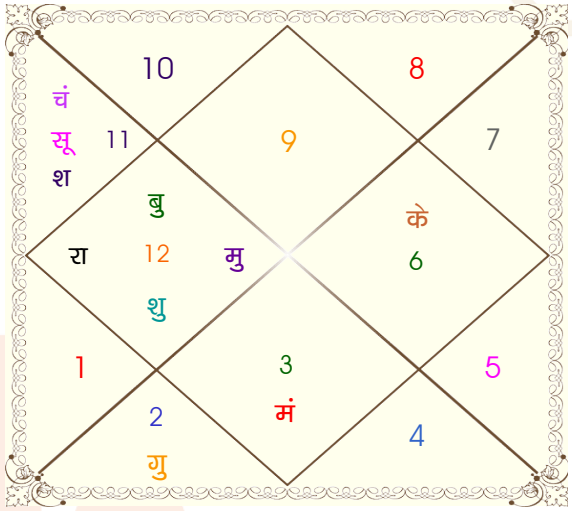

मासाधिपति : शनि

इस मास में आपके लिए मिलेजुले शुभाशुभ फल होंगे।अतः शारीरिक रूप से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे।साथ ही दुश्मनों से भी आपको भय तथा चिन्ता का वातावरण प्राप्त होगा फलतः मानसिक रूप से भी आप उद्विग्न रहेंगे। इस समय पारिवारिक जनों से भी सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा अनावश्यक रूप से आपसी सम्बन्धों में तनाव का वातावरण उत्पन्न होगा। आपके व्यापार या कार्यक्षेत्र में इस मास हानि या मंदी आ सकती है साथ ही कोई परिवर्तन भी हो सकता है या संबधित कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य लोगों से भी आपके संबन्धों में कटुता उत्पन्न होगी। अतः सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग तथा धन की हानि होने की भी सम्भावना रहेगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी घटित होंगे जिससे आप उच्चाधिकारी वर्ग का सहयोग प्राप्त करेंगे एवं कार्यों में किंचित उन्नति का भी आभास होगा। आप इस समय दूर समीप की यात्रा भी करेंगे एवं नवीन वस्त्रादि की भी प्राप्ति होगी। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

तृतीय मास

31/03/2025 05:42:29 से 30/04/2025 21:02:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	08:39:50
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	16:19:33
चन्द्र		मेष	अश्विनी	08:16:43
मंगल		मिथुन	पुनर्वसु	29:04:11
बुध	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:09:19
गुरु		वृष	रोहिणी	21:36:56
शुक्र	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:47:54
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:09:38
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	02:34:27
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:34:27
मुंथा		मीन	रेवती	22:53:15

मासाधिपति

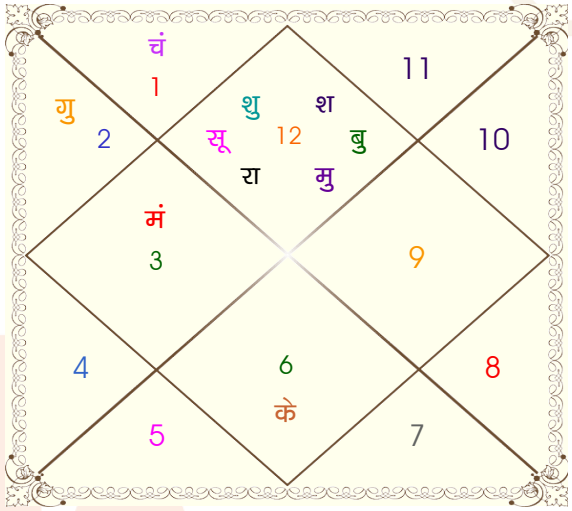

मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा मन में सन्तुष्टि का भाव विद्यमान रहेगा। आपके पराक्रम में इस समय पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु वर्ग को परास्त करने में आप सफल रहेंगे।साथ ही आपके लाभमार्ग प्रशस्त रहेंगे फलतः इस मास में आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्त्रोतों से भी लाभार्जन करेंगे। इस मास आप भाग्योन्नति सम्बन्धी कार्यों को सम्पन्न करेंगे तथा ऐसे महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होंगे जिनको आप काफी समय से सिद्ध करना चाहते थे। इसके अतिरिक्त बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपके दृढ़ एवं मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे तथा सबसे आप यथोचित मान सम्मान अर्जित करेंगे। साथ ही सांसारिक कार्यों में भी आप सफलता अर्जित करेंगे राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको अनुकूल सहयोग प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य महिला सहयोगियों से भी लाभ प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा समाज एवं समाजिक जनों से पूर्ण प्रतिष्ठा तथा आदर प्राप्त करने में सफल रहेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ रहेगा।

चतुर्थ मास

30/04/2025 21:02:12 से 31/05/2025 23:39:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	17:45:37
सूर्य		मेष	भरणी	16:19:33
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	26:13:50
मंगल		कर्क	पुष्य	11:13:15
बुध		मीन	रेवती	20:49:30
गुरु		वृष	मृगशिरा	27:05:17
शुक्र		मीन	उ०भाद्रपद	05:44:57
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	03:36:06
राहु	व	मीन	पू०भाद्रपद	00:57:02
केतु	व	कन्या	उ०फाल्गुनी	00:57:02
मुंथा		मीन	रेवती	25:23:15

मासाधिपति

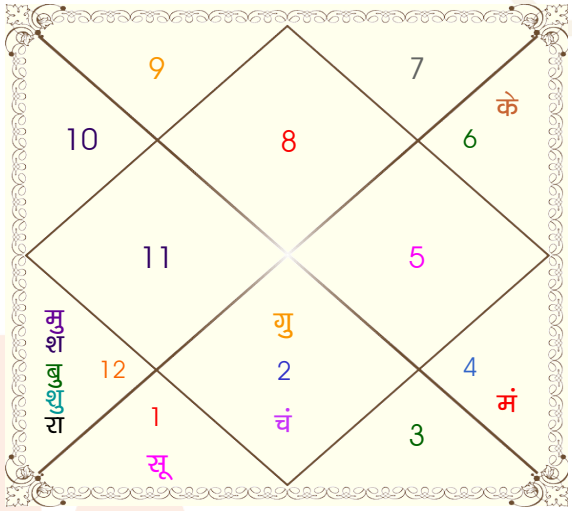

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रद ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बनी रहेगी तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को आप बुद्धि बल से ही सम्पन्न करेंगे। इस मास आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे एवं अन्य प्रकार से द्रव्य लाभ भी होगा। आपके प्रभुत्व की इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग हृदय से आपके प्रभुत्व को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आपके कई शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ एवं महत्वपूर्ण समाचार की प्राप्ति भी होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना पैदा होगी एवं आप श्रद्धा पूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्च अधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी मुक्ति मिलेगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फल भी होंगे जिसके प्रभाव से आप गर्मी या पितादि दोषों से उत्पन्न रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार होने की भी संभावना रहेगी। अतः इस मास में आपको शारीरिक सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

पंचम् मास

31/05/2025 23:39:51 से 02/07/2025 09:18:15 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	28:38:41
सूर्य		वृष	रोहिणी	16:19:33
चन्द्र		कर्क	आश्लेषा	18:04:28
मंगल		कर्क	आश्लेषा	26:42:59
बुध		वृष	रोहिणी	18:17:21
गुरु		मिथुन	मृगशिरा	03:43:58
शुक्र		मेष	अश्विनी	00:28:55
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	06:15:26
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:18:08
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	29:18:08
मुंथा		मीन	रेवती	27:53:15

मासाधिपति

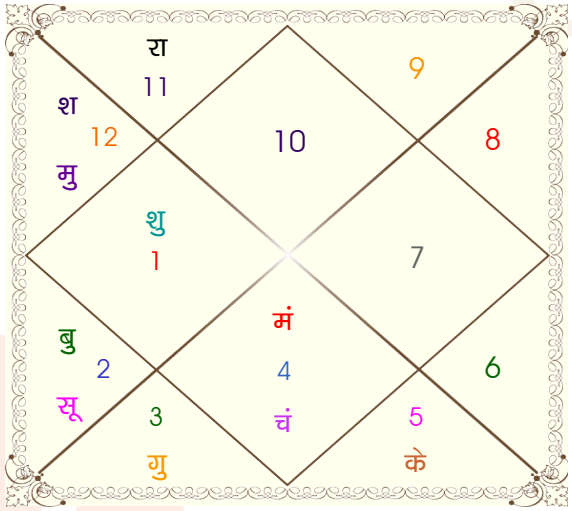

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास में आप उत्तम फल प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से भी आपको यथोचित मान सम्मान एवं यश प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधि पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी आप इस मास तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा तथा मान प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त भाइयों से आपको इस समय पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा आपके मानसिक विचार एवं संकल्प भी पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं अपनी बुद्धिमता से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता भी अर्जित करेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा भाव उत्पन्न होता रहेगा। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

षष्ठ मास

02/07/2025 09:18:15 से 02/08/2025 19:35:37 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	07:07:47
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	16:19:33
चन्द्र		कन्या	उ०फाल्गुनी	09:05:10
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:13:34
बुध		कर्क	पुष्य	12:09:05
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	10:51:58
शुक्र		वृष	कृतिका	03:03:11
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:37:07
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:38:17
केतु	व	सिंह	उ०फाल्गुनी	27:38:17
मुंथा		मेष	अश्विनी	00:23:15

मासाधिपति

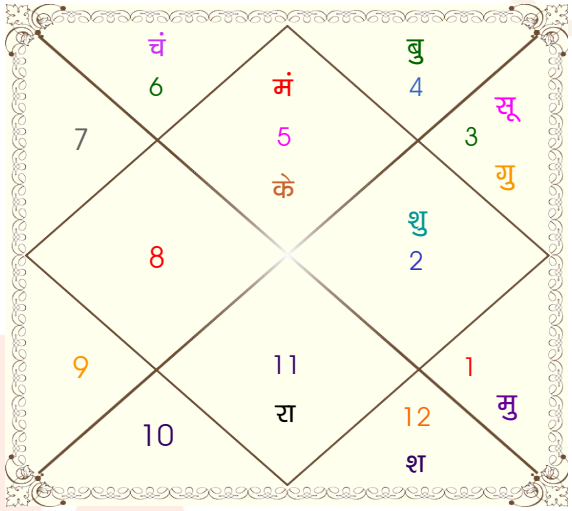

मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

सप्तम् मास

02/08/2025 19:35:37 से 02/09/2025 23:58:14 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	29:44:01
सूर्य		कर्क	पुष्य	16:19:33
चन्द्र		तुला	विशाखा	27:52:38
मंगल		कन्या	उ०फाल्गुनी	03:03:52
बुध	व	कर्क	पुष्य	13:37:56
गुरु		मिथुन	आर्द्रा	17:50:09
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	08:35:25
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	07:22:20
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	25:58:21
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	25:58:21
मुंथा		मेष	अश्विनी	02:53:15

मासाधिपति

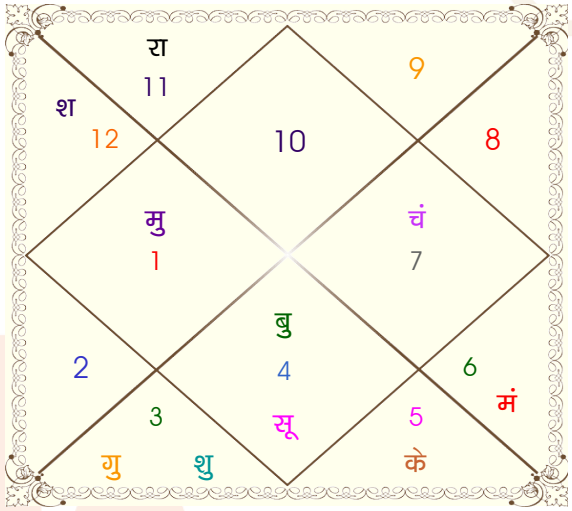

मासाधिपति : मंगल

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अष्टम् मास

02/09/2025 23:58:14 से 03/10/2025 17:37:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	मृगशिरा	28:18:25
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	16:19:33
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:26:15
मंगल		कन्या	हस्त	22:50:50
बुध		सिंह	मघा	06:11:20
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	23:58:15
शुक्र		कर्क	पुष्य	15:28:08
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	05:40:58
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:19:13
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	24:19:13
मुंथा		मेष	अश्विनी	05:23:15

मासाधिपति

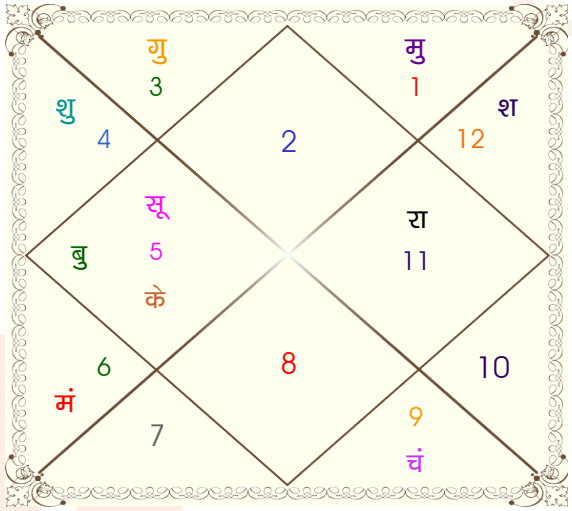

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रूप से व्यतीत होगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुष्ट मनुष्यों की संगति से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय आप आर्थिक संकट से भी उलझे रहेंगे। अतः मानसिक रूप से भी अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अत्यन्त परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी आप यथोचित पूजन तथा सत्कार नहीं करेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आप हानि प्राप्त करेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक रूप से व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। साथ ही शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को भी प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः मानसिक रूप से आप अशान्त रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इस समय आप स्त्री वर्ग से लाभ अर्जित करेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी। साथ ही धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी। जिसके फलस्वरूप कोई धार्मिक उत्सव सम्पन्न हो सकता है। इस प्रकार यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा।

नवम् मास

03/10/2025 17:37:51 से 02/11/2025 22:49:42 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मीन	उ०भाद्रपद	12:20:55
सूर्य		कन्या	हस्त	16:19:33
चन्द्र		मकर	धनिष्ठा	27:50:31
मंगल		तुला	स्वाति	13:21:22
बुध		तुला	चित्रा	00:54:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	28:32:38
शुक्र		सिंह	पू०फाल्गुनी	22:56:22
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	03:21:08
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:41:29
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	22:41:29
मुंथा		मेष	अश्विनी	07:53:15

मासाधिपति

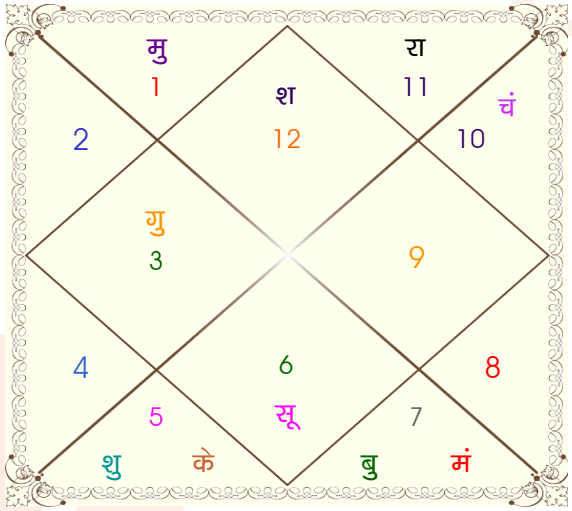

मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने पराकम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित मान सम्मान तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस समय आपके यश में भी अभिवृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से आपको आश्रय प्राप्त होगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल हो सकेंगे। इस मास में आप मिष्ठान्न के प्रति भी अधिक रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रुवर्ग इस मास में आपका निर्बल रहेगा फलतः वे आपसे पराजित रहेंगे। स्त्री से भी आप सुख की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही इस समय आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवहेलना होगी तथा बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप न्यूनाधिक हानि प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर मध्यम रहेगा।

दशम् मास
02/11/2025 22:49:42 से 02/12/2025 17:10:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	पुष्य	06:28:50
सूर्य		तुला	स्वाति	16:19:33
चन्द्र		मीन	उ०भाद्रपद	06:47:14
मंगल		वृश्चिक	अनुराधा	04:28:45
बुध		वृश्चिक	अनुराधा	09:37:27
गुरु		कर्क	पुनर्वसु	00:48:04
शुक्र		तुला	चित्रा	00:29:55
शनि	व	मीन	पू०भाद्रपद	01:30:05
राहु	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	21:05:25
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	21:05:25
मुंथा		मेष	अश्विनी	10:23:15

मासाधिपति

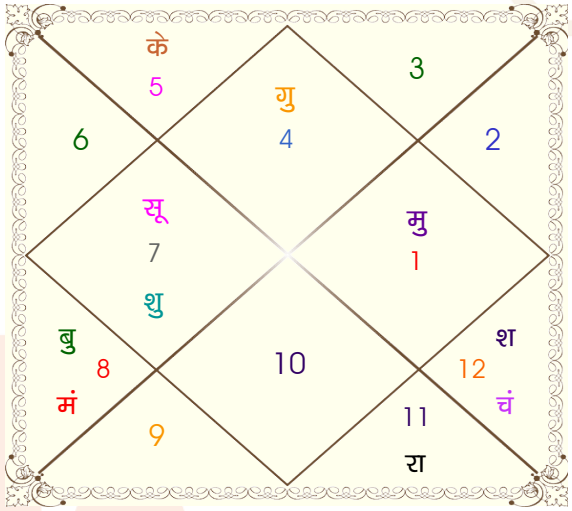

मासाधिपति : मंगल

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्ति आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

एकादश मास

02/12/2025 17:10:08 से 01/01/2026 05:00:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृष	रोहिणी	15:54:26
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	16:19:33
चन्द्र		मेष	अश्विनी	11:01:48
मंगल		वृश्चिक	ज्येष्ठा	26:10:40
बुध		तुला	विशाखा	27:07:09
गुरु	व	कर्क	पुनर्वसु	00:13:02
शुक्र		वृश्चिक	अनुराधा	07:50:47
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	00:57:15
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	19:30:47
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	19:30:47
मुंथा		मेष	अश्विनी	12:53:15

मासाधिपति

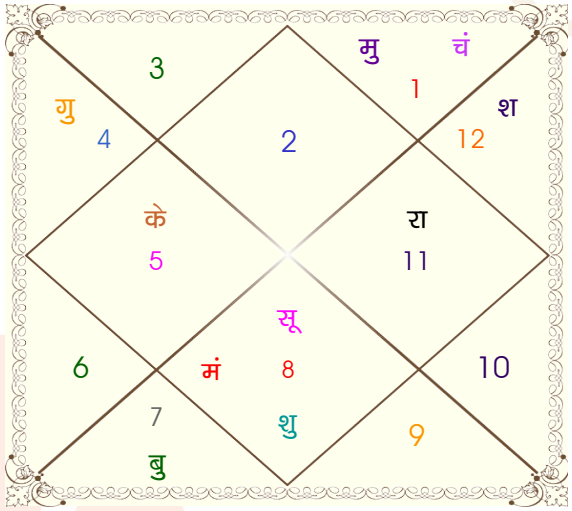

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा।साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

द्वादश मास

01/01/2026 05:00:02 से 30/01/2026 16:14:25 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	18:51:21
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	16:19:33
चन्द्र		वृष	रोहिणी	12:11:07
मंगल		धनु	पूर्वाषाढ़ा	18:27:02
बुध		धनु	मूल	04:23:54
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	27:08:19
शुक्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:57:32
शनि		मीन	पू०भाद्रपद	01:56:39
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	17:57:00
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	17:57:00
मुंथा		मेष	भरणी	15:23:15

मासाधिपति

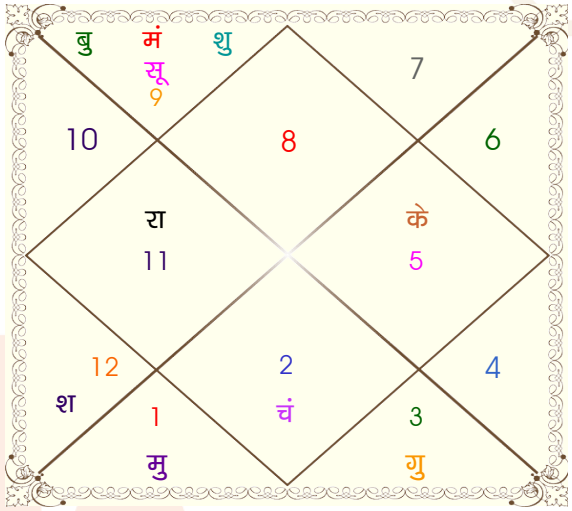

मासाधिपति : मंगल

यह मास आपके लिए अशुभ फल प्रदान करने वाला होगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही शत्रु भी आपसे बलवान रहेंगे एवं आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में कोई चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको दण्डित किया जा सकता है। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी आप कष्ट प्राप्त कर सकते है। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में भी आपके आदर में न्यूनता आएगी। बन्धु एवं मित्रों से आपका इस समय मन मुटाव रहेगा तथा मानसिक इच्छाएं अपूर्ण ही रहेंगी। अतः तनाव से बचने के लिए संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में आप शुभ फल भी अर्जित करेंगे। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों का सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित कर सकेंगे तथा मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।